"स्वर्णिम विजय वर्ष" मशाल पहुँचा दीव

दीव के आईएनएस खुकरी पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन,

दीव 14/08/2021:- 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक जीत के वर्ष 2021 मे 50 पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 को **"स्वर्णिम विजय वर्ष"** के रूप मे मनाने का निर्णय लिया गया है। 1971 में पाकिस्तानी सेना पर भारतीय सशस्त्र बलों की निर्णायक और ऐतिहासिक जीत की स्मृति में **16** दिसम्बर, 2020 को दिल्ली से रवाना हुई स्वर्णिम विजय मशाल मिलिट्री स्टेशन जामनगर, द्वारका और पोरबंदर पहुँची थी, जो आज भारतीय सेना के जवानों द्वारा पूरे सैन्य सम्मान के साथ आईएनएस खुकरी, दीव लाया गया और मुख्य अतिथि, दीव जिला समाहर्ता, सलोनी राय को सौंपा गया।

इस इस मौके पर आर्मी अधकारियों, नौ सेना के अधिकारियों तथा जवानों की तरफ से दीव प्रशासन के सहयोग से उन शहीदों के शौर्य, पराक्रम, त्याग और बलिदान को याद करते हुए बेहद ही उत्साह के साथ एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भूतपूर्व सैनिकों के माल्यार्पण और अभिनंदन के साथ हुई। प्रारंभ में दीव जिला समाहर्ता एवं आर्मी व नेवल के अधिकारियों द्वारा 1971 के भारत-पाक युद्ध में शहीद होनेवाले शूरवीरों को श्रद्धांजली दी गई और उपस्थित सभी जवानों और प्रशासन के अधिकारियों ने सलामी देते हुए श्रद्धापूर्वक वीर योद्धाओं को नमन किया। इस अवसर पर हवलदार कांतिलाल, नायक बारिया विरेन्द्र, नायक देवीदास, नायक अशोक अर्जून, नायक रसीक प्रेमजी को इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के द्वारा सम्मानित भी किया गया।

समाहर्ता, दीव ने अपने उद्बोधन में 1971 के भारत -पाक युद्ध को याद करते हुए कहा कि यह युद्ध एक सैन्य संघर्ष था। भारतीय सेनाओं ने अपने पराक्रम, शौर्य, त्याग और बलिदान के बल पर पाकिस्तान पर एक शानदार एवं ऐतिहासिक जीत हासिल की। आईएनएस खुकरी मेमोरियल का जिक्र करते हुए कहा कि यह फ्रिगेट शीप था। यह 1971 के भारत-पाक युद्ध में क्षतिग्रस्त होने के कारण दीव तट से 40 नॉटिकल मील दूर समुद्र में डूब गया था। इस अवसर पर इस युद्धपोत के कैप्टेन महेन्द्र नाथ मुल्ला, 18 अधिकारियों और 176 सैनिकों को श्रद्धा पूर्वक नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजली दी गई।

समाहर्ता, दीव ने संघ प्रदेश प्रशासक श्री प्रफुल पटेलजी के कुशल नेतृत्व में इस स्थल का किए गए विकास की भी चर्चा की और कहा कि आईएनएस खुकरी के इतिहास को दर्शाने के लिए इस स्थल पर एक म्यूजियम की निर्माण प्रक्रिया चल रही है जिसमें आईएनएस खुकरी से जुड़ी तमाम जानकारी दी जायेगी। प्रशासक के प्रयासों से De-commissioned INS Khukri warship को दीव में अधिष्ठापित करने हेतु भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की समहती मिल गई है। समाहर्ता, दीव ने कहा कि प्रशासक महोदय का विजन है कि दीव में पर्यटक केवल यहाँ की खूबसूरती को ही न निहारे बल्कि इस ऐतिहासिक स्थल और म्यूजियम को देखकर उनके अंदर देशभक्ति और देशप्रेम का जज्बा कायम हो।

उन्होंने कहा कि इस मशाल की लौ केवल अग्नि की लौ ही नही है, यह देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले शूरवीरों के पराक्रम को बयां करती विजय की लौ है। राष्ट्रगान के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस दौरान एक फोटो प्रदर्शनी भी लगायी गई थी जिसमें 1971 के युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे शहीद नायकों को याद करते हुए लोककथाओं में देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना को प्रदर्शित किया गया था। इस कार्यक्रम में सशस्त्र बल के अधिकारी गण, भूतपूर्व सैनिक, गणमान्य अतिथि, दीव प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा मीडिया से आए हुए प्रतिनिधि एवं बच्चे उपस्थित रहे।